[Shri Cumbum N. Natarajan]

difficult to be handled by the planters, the use of '*Bay* 5072-70%' is easily understood by the planters.

In the interest of earning valuable foreign exchange through the export of cardamom, in the interest of sustaining the livelihood of 80,000 workers and in the interest of thousands of planters, the Government should allow the import of this chemical '*Bay* 5072-70%' to the Cardamom Planters' Association, Bodinayakanur. Tamilnadu or to the Cardamom Board for distribution to the planters for exterminating this dreaded disease, Azhukal, which will destroy all plantations.

(ix) DEMAND FOR CHANGING THE NAME OF THE MARATHWADA UNIVERSITY TO DR. AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, बहुत ही दुख की बात है कि सदन में बार-बार मांग करने के बाद भी महाराष्ट्र के मराठवाड़ा विश्वविद्यालय का नाम बदल कर डा० अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय नहीं रखा गया है, जबकि 1978 में ही महाराष्ट्र असेम्बली ने सर्व-सम्मति से प्रस्ताव पास किया था कि उसका नाम डा० अम्बेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी रखा जाए। डा० अम्बेडकर हिन्दुस्तान के करोड़ों अनुसूचित जाति, पिछड़े दलित एवं शोषित लोगों के नेता एवं प्रेरणा-स्रोत हैं। इन समुदायों का भावनात्मक सम्बन्ध डा० अम्बेडकर से जुड़ा हुआ है। ऐसी स्थिति में अभी तक मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी का नामान्तरण न करना करोड़ों शोषित पीड़ित के मन को चोट पहुंचाता है। विश्वविद्यालय का नाम बदल देने से कोई फ़र्क नहीं पड़ता, लेकिन एक बार निर्णय ले लिए जाने के बाद नामान्तरण न करना इस बात का द्योतक है कि सरकार की नीयत दलित समुदायों के प्रति क्या है। क्या अभी भी डा० अम्बेडकर जैसे महापुरुष का नाम हिन्दुस्तान के गले के नीचे नहीं उतर सकता, यह मेरे जैसे लोग सोचने के लिए विवश हो जाते हैं। यह कोई एक राज्य का मामला नहीं रह गया है। आम शोषित पीड़ित समुदाय के मन में इस बात को ले कर आक्रोश है।

अतः केन्द्र सरकार से मांग है कि केन्द्र सरकार राज्य सरकार को निर्देश दे कि वह महाराष्ट्र विधान सभा के निर्णय का आदर करते हुए शीघ्र ही मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के नाम में संशोधन कर के डा० अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय करे।

15.35 hrs

MOTION RE. INTERNATIONAL SITUATION AND POLICY OF GOVERNMENT OF INDIA IN RELATION THERETO—*Contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now the House will take up further consideration of the following motion moved by Shri P. V. Narasimha Rao on the 18th September, 1981, namely:—

"That this House do consider the present international situation and the policy of the Government of India in relation thereto."

Shri Satyasadhan Chakraborty was on his legs. He may continue.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY (Calcutta South): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I continue my speech and tell the Members that I emphasise the point that to-day we are faced with a grave problem. The problem is that the war clouds are gathering over the world and the danger of nuclear war is real in the world to-day.

Now, Sir, the House will agree with me that we require peace not only in